NORTH MAHARASHTRA UNIVERSITY, JALGAON

IDEAL (External Mode) Department

SYLLABUS FOR

M.A.HINDI-1ST YEAR

प्रश्नपत्र – 1 सामान्य स्तर - आधुनिक गद्य (उपन्यास, कहानी,नाटक,निबंध,संस्मरण)

* पाठ्यपुस्तके :

1) अंतर्वंशी (उपन्यास) - उषा प्रियंवदा वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

2) कथाधारा (कहानी) - सं. मार्कण्डेय लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद (इस संकलन से ठाकूर का कुआँ, नारंगियाँ, आतिथ्य, पंचलाइट, समाधि भाई रामसिंह, छिपकली, बादलों के घेरे,सहज और शुभ,यही सच है तथा पिता यह कहानियाँ अध्ययन हेतु निर्धारित की गयी है

1) बटोही (नाटक) - ह्रषीकेश सुलभ राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

2) फिर बैतलवा डाल पर (निबंध)- विवेकी राय भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली (इस संग्रह से चतुरी चाचा से मुलाकात,कवि सम्मेलन में,भाषण का असर, एक हजार की थैली,सभापती, मास्टर और नेता,रामबाबू बी.डी.ओ.से मिले, गरदन का दर्द , चूहे, अँग्रेजी और घूस, फिर बैतलवा डाल पर, निशानी अँगूठा : जिन्दाबाद यह निबंध अध्ययन हेतु निर्धारित किये गये हैं ।)

3) संस्मरण (संस्मरण) - महादेवी वर्मा राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली - ६ (इस संग्रह से दद्दा, निरालाभाई,स्मरणः प्रेमचंद,प्रसाद,सुमित्रानंदन पंत,सुभद्रा, प्रणाम,पुण्य-स्मरण,राजेन्द्र बाबू, जवाहर भाई यह संस्मरण अध्ययन हेतु निर्धारित किये गये हैं ।)

---

२. प्रश्नपत्र – २ विशेष स्तर - प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य

* पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि :

* विद्यापति, * जायसी, । अध्ययन हेतु रचनाएँ,ससंदर्भ व्याख्या हेतु छंद तथा अध्ययनार्थ विषय निम्नप्रकार सें है –

1) विद्यापति - सं. आनंदप्रकाश दीक्षित साहित्य प्रकाशन मंदिर, ग्वालियर । छंद - 1,8,9,12,18,34,59,66,67,74,77,79 अध्ययनार्थ विषय - संयोग शृंगार,वियोग शृंगार,सौंदर्य चित्रण, भक्त या शृंगारी कवि, काव्यकला 2) पद्मावत - सं. डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल साहित्यभवन , चिरगाँव-झाँसी । खंड एवं छंद 1) सिंहल द्विप वर्णन खंड - 27,31,35,43,49 2) नागमती वियोग खंड - 341,342,345,346,355 3) पद्मावती रूप चर्चा खंड - 468,470,471,474,478 अध्ययनार्थ विषय - प्रेमभावना, वियोग वर्णन, रूप-सौंदर्य चित्रण,रहस्यवाद,प्रकृति चित्रण,इतिहास और कल्पना, महाकाव्यत्व, अन्योक्ति-समासोक्ति, काव्यकला ।

। तुलसीदास, । सूरदास । बिहारी । अध्ययन हेतु रचनाएँ,ससंदर्भ व्याख्या हेतु छंद तथा अध्ययनार्थ विषय निम्नप्रकार सें है - १) विनयपत्रिका - तुलसीदास गीता प्रेस, गोरखपुर छंद - ०१,०५,४५,६४,७३,७६,७९,८१,८७,९० अध्ययनार्थ विषय - भक्तिभावना, काव्यसौंदर्य,काव्यकला, समन्वय भावना, लोकमंगल भावना ।

२) भ्रमरगीत - सं. रामचंद्र शुक्ल लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद कमल प्रकाशन , दिल्ली पद - १०,२१,३२,४०,५१,६२,८०,८९,९५, ९८,१२०,१३५,१४५, १७२, २०० अध्ययनार्थ विषय - संयोग-वियोग शृंगार,भक्ति भावना,प्रकृति चित्रण काव्य- सौंदर्य, काव्यकला ।

३) बिहारी प्रकाश - सं.विश्वनाथ प्रसाद मिश्र लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद इस संकलन केसभी दोहे अध्ययन एवं ससंदर्भ व्याख्या के लिए निर्धारित है । अध्ययनार्थ विषय - संयोग -वियोग शृंगार,प्रसंगोद्भावना,भक्ति,नीति एवं सौंदर्य चित्रण,काव्यसौंदर्य, बिहारी की बहुज्ञता,काव्यकला ।

---

3. प्रश्नपत्र – विशेष स्तर भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र तथा आलोचना

पाठ्यक्रम :

1) भारतीय काव्यशास्त्र के विकास-क्रम का संक्षेप में परिचय । (इस पर परीजा में प्रश ाहीं पूछा ाायेगा।)

२) रससिध्द्ांत - रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति विषयक भरतमुनि का सूत्र और भट्ट लोलट,शंकुक,भट्टनायक और अभिनव गुप्त की तत्संबंधी व्याख्याओं का विवेचन। साधारणीकरण - भट्टनायक, अभिनव गुप्त, पंडितराज जगन्नाथ, विश्वनाथ, आ. रामचंद्र शुक्ल, डॉ.नगेन्द्र, डॉ.नामवरसिंह, डॉ.आनंदप्रकाश दीक्षित के मतों के संदर्भ में विवेचन । वर्तमान संदर्भ में रससिद्धांत ।

३) अलंकार सिद्धांत - ‘ अलंकार ’ शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा, स्वरूप । काव्य में अलंकार का स्थान।

४) रीति सिद्धांत - ‘रीति’ शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा । रीति के विविध पर्याय,रीति भेदों के आधार,रीति भेद,रीति और गुण,रीति और शैली ।

५) ध्वनि सिद्धांत - ‘ध्वनि ’ शब्द की व्युत्पत्ति, परिभाषा, । ध्वनि और स्फोट सिद्धांत, ध्वनि और शब्दशक्ति , ध्वनि के भेद - अभिधामूला, लक्षणामूला, संलक्ष्यक्रम व्यंग्य, असंलक्ष्यक्रम व्यंग्य, तात्पर्यावृत्ति ।

६) वक्रोक्ति सिद्धांत - वक्रोक्ति की परिभाषा, कुंतकपूर्व वक्रोक्ति, वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति का महत्व ।

७) औचित्य सिद्धांत - औचित्य का स्वरूप, काव्य में औचित्य का महत्व ।

८) आलोचना - स्वरूप और उद्देश्य, आलोचक के गुण, आलोचना के विभिन्न प्रकार-सैद्धांतिक, व्याख्यात्मक, तुलनात्मक, स्वच्छंदतावादी ,मनोवैज्ञानिक एवं प्रगतिवादी आलोचना

1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकासक्रम का संक्षेप में परिचय ।

२) अनुकरण सिद्धांत - अनुकरण की व्याख्या, स्वरूप, अनुकरण के संबंध में प्लेटो और अरस्तू के विचारों का तुलनात्मक परिचय ।

3) विरेचन सिद्धांत – प्लेटो, अरस्तू के विचारों का विवेचन ।

४) उदात्त सिद्धांत - लोंजाइनस द्वारा उदात्त की व्याख्या ,स्वरूप ,उदात्त केअंतरंग-बहिरंग तत्व, उदात्त के विरोधी तत्व, काव्य में उदात्त का महत्व ।

५) क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद - अभिव्यंजनावाद का स्वरूप, वक्रोक्ति और अभिव्यंजनावाद ।

६) मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत – काव्यमूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या ,मनोवेगों केदो प्रकार, मनोवेगों में संतुलन, संप्रेषण का स्वरूप एवं महत्व, रिचर्डस् का योगदान ।

७) निर्वैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत–इलियट की निर्वैयक्तिकता की धारणा, परिवर्तित धारणा ,व्यक्तिगत भावों का सामान्यीकरण । वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता, सिद्धांत का स्वरूप, विभाव विधान या भावदर्शन प्रणाली, भारतीय काव्यशास्त्र केसाधारणीकरण से तुलना ।

८) निम्नलिखित वादों का परिचयात्मक अध्ययन - कलावाद ,यथार्थवाद ,प्रतीकवाद , बिम्बवाद ,अस्तित्ववाद

---

४. प्रश्नपत्र 4 विशेषस्तर – * विशेष साहित्यकार – अ) कबीर

पाठ्यक्रम

अ) अध्ययन और आलोचना

1) भक्ति आंदोलन और निर्गुण भक्ति ।
2) संत काव्य परंपरा और कबीर ।
3) कबीर और उनका साहित्य ।
4) क्रांतिदर्शी कबीर ।

5) कबीर का प्रेमतत्व, विरह भावना और रहस्य भावना ।

6) कबीर काव्य का सामाजिक पक्ष आ) पाठ्यपुस्तक - कबीर ग्रंथावली -सं.श्यामसुंदर दास नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी अध्ययन हेतु दोहे - गुरूदेव कौ अंग - 3, 6,12,14,15,16, 21, 26, 33, 34 विरह कौ अंग - 4, 5, 6, 7, 9,11,12,14,15,18, 20,21, 22, 23, 25, 26, 33, 35, 41,45 परचा कौ अंग - 1, 3, 9,10,11,12,16,17, 21, 22, 24, 27, 31,32, 35, 36, 39, 43, 44, 45 मन कौ अंग - 5,12,15,22,30 चितावणी कौ अंग - 1, 4, 8,12,16,19, 20, 34, 44, 45

माया कौ अंग - 6,10,17, 21, 28, 13

काल कौ अंग - १,१३,१४,१५, २०, निंदा कौ अंग - २, ३, ४, ६, ८

अध्ययन और आलोचना

१) कबीर की भक्तिभावना ।

२) कबीर की दार्शनिकता ।

३) कबीर काव्य की प्रासंगिकता ।

४) कबीर की उलटबाँसियाँ ।

५) कबीर का लोकचिंतन ।

६) कबीर के काव्य का कलापक्ष । आ) पाठ्यपुस्तक - कबीर ग्रंथावली -सं.श्यामसुंदर दास नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी पद - १, ८,१६, ४०, ४३, ५५, ९२,१११,११७,१५६,१८०, १९८, २००, २५१, २७४, २९०, ३२९, ३४६, ३९६, ४०० रमैणी - राग सूहौ - ०१ अष्टपदी रमैणी - ०

NORTH MAHARASHTRA UNIVERSITY, JALGAON

IDEAL (External Mode) Department

SYLLABUS FOR

M.A.-HINDI-2nd YEAR

प्रश्नपत्र १ : सामान्य स्तर : आधुनिक काव्य

*** उद्देश्य :-**

i) आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तीयों से परिचित कराना ।

ii) आधुनिक काल के महाकाव्य, खंडकाव्य, काव्य नाटक, नई कविता, गजल आदि विधाओं की प्रवृत्तीयाँ एवं उनके तात्त्विक स्वरुप का ज्ञान कराना तथा इन विधाओं के विकासक्रम से परिचित कराना ।

iii) विधाओं के विकास के परिप्रेक्ष्य में उनका अध्ययन तथा समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कराना ।

१. **कामायनी - जयशंकर प्रसाद** (लज्जा, चिंता और काम सर्ग),**भारती भंडार, इलाहाबाद**
२. **द्रौपदी - नरेंद्र शर्मा,राजमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
३. **संशय की एक रात - नरेश मेहता,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**
४. **आयाम - सं.विश्वनाथ गौड, ललित शुक्ल,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**

इस संग्रह की निम्नलिखित कविताएँ पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित की गई है -

अ) नागार्जुन :

कविताएँ - i) प्रेत का बयान ii) बादल को धिरते देखा iii) भस्मांकुर

आ) अज्ञेय :

कविताएँ - i) कितनी शांती । कितनी शांती । ii) सागर किनारे iii) कलगी बाजरे की ।

इ) गजानन माधव मुक्तिबोध :

कविताएँ - i) मेरे लोग ii) मुझे पुकारती हुई पुकार iii) पता नही ।

ई) गिरीजाकुमार माथूर :

कविताएँ - i) अधूरा गीत ii) बौनों की दुनिया iii) माटी और मेघ ।

ए) सवेश्वरदयाल सक्सेना :

कविताएँ - i) नये साल पर ii) सौंदर्य बोध iii) अब नदियाँ नही सुखेंगी ।

५) जहीर कुरेशी की चुनिंदा गजलें - सं.डॉ.मधु खराटे

विद्या प्रकाशन, कानपुर

पाठ्यक्रम हेतु इस संकलन की ३,५,१०,११,१४,१५,२२,२४,२५,३०,३४,३७,४३,४४,४५,४६, ४८,४९,५० तथा ५१ क्रमांक की गजलें निर्धारित की गयी है।

*** संदर्भ ग्रंथ -**

१) कामायनी कला और दर्शन - राममूर्ती त्रिपाठी, साहित्य भवन, इलाहाबाद

२) कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

३) कामायनी मूल्यांकन और मूल्यांकन - डॉ. इंद्रनाथ मदान, निलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद

४) कामायनी दर्शन - कन्हैयालाल सहल, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली

५) कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ - डॉ. नगेंद्र

६) नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर - डॉ. संतोषकुमार तिवारी

७) तारसप्तक के कवि - कविशिल्प के मान- कृष्णलाल, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली

८) अज्ञेय एवं मुक्तिबोध - डॉ. ललिता राठोड, विद्या प्रकाशन, कानपुर

९) युगपुरुष कवि अज्ञेय - डॉ. रामेश्वर बांगड, विद्या प्रकाशन, कानपुर

१०) अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन - डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर

११) गजानन माधव मुक्तिबोध : जीवन और काव्य - डॉ. महेश भटनागर, राजेश प्रकाशन, दिल्ली

१२) मुक्तिबोध की काव्यभाषा - डॉ. रतनकुमार, चिंतन प्रकाशन, कानपुर

१३) गिरीजाकुमार माथूर के काव्य की बनावट और बुनावट - मधू माहेश्वरी

१४) नये कवि: एक अध्ययन (भाग २) - डॉ.संतोषकुमार तिवारी

१५) नागार्जुन की कविता - अजय तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

१६) नागार्जुन एक अध्ययन - डॉ. ललिता आरोडा

१७) नरेश मेहता के काव्य का अनुशीलन - प्रतिभा मुदलियार

१८) नरेश मेहता का काव्य : विमर्श और मूल्यांकन - प्रभाकर शर्मा

१९) साठोत्तरी हिंदी गजल- डॉ. मधु खराटे, विद्या प्रकाशन, कानुपर

२०) हिंदी गजल : उद्भव और विकास - डॉ. रोहिताश्व अस्थाना, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली

२१) हिंदी गजल के विविध आयाम - डॉ. सरदार मुजावर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

२२) जहीर कुरेशी : महत्व एवं मुल्यांकन - डॉ. विनय मिश्र, उर्वशीयम प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र२ : विशेष स्तर : भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

*** उद्देश्य :-**

i) भाषा विज्ञान की नव्यतम शाखा के अध्ययन के साथ - साथ हिंदी भाषा के गठन और व्यवहार को समझना।

ii) हिंदी भाषा के उद्भव और विकास को समझना।

iii) हिंदी की विभिन्न बोलियों का परिचय प्राप्त करना।

iv) देवनागरी लिपि का मानक रुप समझना और प्रयोग करना।

*** पाठ्यक्रम :-**

१) भारत में भाषा विज्ञान के अध्ययन का परंपरागत स्वरुप।

२) भाषा विज्ञान की परिभाषाएँ एवं स्वरुप, भाषा विज्ञान की उपशाखाएँ - कोश विज्ञान, समाज भाषा विज्ञान, लिपि विज्ञान, मनोभाषा विज्ञान, भाषा भूगोल का संक्षिप्त परिचय।

३) **स्वन एवं स्वनिम विज्ञान** - स्वन का स्वरुप, स्वन का उत्पादन, संवहन और ग्रहण, वागवयव और उच्चारण प्रक्रिया, स्वनों का वर्गीकरण, स्वर और व्यंजन स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनो का वर्गीकरण, स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ, स्वनिम का स्वरुप, स्वनिम का निर्धारण, स्वनिम के भेद, ध्वन्यात्मक प्रतिलेखन।

४) **रुप एवं रुपिम विज्ञान** - रुप (पद) की परिभाषा, संबंध तत्व और उसके भेद, धातु, प्रतिपदिक और पद, रुपिम का स्वरुप, रुपिम के भेद, रुप स्वनिम विज्ञान।

५) **वाक्य विज्ञान** - वाक्य का स्वरुप, अभिहितान्वयवाद (पक्ष वाद) और अन्विताभिधानवाद (वाक्यवाद), वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण।

६) **अर्थ विज्ञान** - अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ बोध के बाधक तत्व, अर्थ प्रतिति, अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ।

*** पाठ्यक्रम :-**

१) प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाओं का स्थूल परिचय।

प्राचीन भारतीय आर्य भाषा - वैदिक और लौकिक संस्कृत, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषा - **क)** पाली, **ख)** प्राकृत - प्राकृत के प्रमुख भेद, **ग)** अपभ्रंश की विशेषताएँ और प्रमुख भेद- शौरसेनी, मागधी, अर्धमागधी, महाराष्ट्री।

२) **हिंदी की बोलियाँ** - वर्गीकरण तथा सामान्य परिचय, खडी बोली, ब्रज, अवधी, दक्खिनी हिंदी का ध्वन्यात्मक और पदात्मक संक्षिप्त परिचय।

३) **हिंदी शब्द निर्माण** - उपसर्ग, प्रत्यय, समास।

४) **हिंदी भाषा का व्याकरण** - संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय, लिंग, वचन एवं कारक का सोदाहरण परिचय।

१) **देवनागरी लिपि** - विशेषताएँ, देवनागरी लिपि का मानक रुप, संगणक की दृष्टि से देवनागरी लिपि की उपादेयता।

*** संदर्भ ग्रंथ -**

१) आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी

२) हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास - डॉ. उदयनारायण तिवारी

३) हिंदी : उद्‌भव, विकास और रुप- डॉ. हरदेव बाहरी

४) हिंदी भाषा का परिचय - बिन्दु माधव मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

५) भाषिकी हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण - डॉ. अम्बादास देशमुख, अतुल प्रकाशन, कानपुर

६) आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ.केशवदत्त रुवाली, अल्मोडा बुक डेपो, अल्मोडा

७) मुग्धबोध भाषा विज्ञान - डॉ. रामेश्वर दयालू अग्रवाल, साधना प्रकाशन, मेरठ

८) समाज भाषा विज्ञान की भूमिका - डॉ. तेजपाल चौधरी, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

९) हिंदी भाषा विज्ञान - डी. डी. शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई सडक, दिल्ली

१०) भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव त्रिवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

११) भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

१२) भाषा और भाषा विज्ञान - डॉ. तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन, नई दिल्ली

१३) भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - डॉ. हणमंतराव पाटील, विद्या प्रकाशन, कानपुर

१४) भाषा विज्ञान तथा समाज भाषा विज्ञान - डॉ. भाऊसाहेब परदेशी, डॉ. गिरीश महाजन, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर

प्रश्नपत्र ३: विशेष स्तर : हिंदी साहित्य का इतिहास

*** उद्देश्य :-**

i) युगीन परिस्थितीयों के संदर्भ मे साहित्य के इतिहास के काल विभाजन और नामकरण की जानकारी देना।

ii) आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिक काल की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों की जानकारी तथा प्रमुख प्रतिनिधी कवियाँ एवं गद्यकारी की रचनाओं का साहित्यिक परिचय देना।

*** पाठ्यक्रम :-**

१) हिंदी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण के आधार, भाषा साहित्य, प्रथम साहित्यकार।

२) आदिकाल के विविध नाम - चारणकाल, सिद्ध सामंत काल, वीरगाथा काल और नामकरण के आधार।

३) आदिकालीन सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक और साहित्यिक परिस्थितीयाँ और उनका साहित्य पर प्रभाव।

४) रासो साहित्य परंपरा - रासो शब्द के अर्थ, रासो के प्रकार, पृथ्वीराज रासो की कथ्यगत और शैलीगत विशेषताएँ।

५) अपभ्रंश साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ और उनका हिंदी साहित्य पर प्रभाव।

६) सिद्ध साहित्य का परिचय और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

७) नाथपंथी साहित्य की विषय और शैलीगत प्रवृत्तियाँ।

८) गोरखनाथ, विद्यापति और अमीर खुसरो का साहित्यिक परिचय।

भक्तिकाल :-

९) भक्ति आंदोलन का सामान्य परिचय और विविध संप्रदाय (इस पर परीक्षा में प्रश्न नही पुछे जायेंगे)।

१०) भक्तिकालीन सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, साहित्यिक परिस्थितीयाँ और उनका साहित्य पर प्रभाव।

११) निर्गुण भक्तिसाहित्य की प्रवृत्तियाँ, निर्गुण भक्तिमार्ग के दो भेद - प्रममार्ग एवं ज्ञानमार्ग - दोनों की परंपरा एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

१२) ज्ञानमार्ग के प्रतिनिधी कवि कबीर का साहित्यिक परिचय।

१३) प्रेममार्ग के प्रतिनिधी कवि जायसी का सहित्यिक परिचय।

१४) सगुण भक्ति साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सगुण भक्तिमार्ग के दो भेद - रामभक्ति एवं कृष्णभक्ति, दोनों की परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ।

१५) रामभक्ति साहित्य के प्रतिनिधी कवि तुलसीदास का साहित्यिक परिचय।

१६) कृष्णभक्ति साहत्य के प्रतिनिधी कवि - रसखान, सूर और मीरा का साहित्यिक परिचय।

१७) नतिकवि रहीम का साहित्यिक परिचय।

रीतिकाल :-

१८) रीतिकाल के विविध नाम और उनके आधार।

१९) रीतिकालीन सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक और साहित्यिक परिस्थितियाँ और उनका साहित्य पर प्रभाव।

२०) रीतिकालीन साहित्य की विषय और शैलीगत प्रवृत्तियाँ।

२१) रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्यधाराओं का परिचय।

२२) आचार्यत्व और कवित्व की परंपरा।

२३) रीतिकालीन कवियों का साहित्यिक परिचय - केशवदास, देव, चिंतामणि, भिखारीदास, बिहारी, धनानंद, भूषण, सेनापति, मतिराम, पद्माकर।

*** पाठ्यक्रम :-**

आधूनिक काल :

गद्य - १) परिस्थितीयाँ - सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, आर्थिक, साहित्यिक परिस्थितीयाँ एवं उनका साहित्य पर प्रभाव।

२) उपन्यास विधा का विकास - प्रेमचन्दपूर्व युग, प्रेमचन्द युग, प्रेमचन्दोत्तर युग।

३) काहनी विधा का विकास - स्वातंत्र्यपूर्व, स्वातंत्र्योत्तर युग।

४) नाटक विधा का विकास - प्रसाद पूर्व युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग।

५) एकांकी विधा का विकास - स्वतंत्रतापूर्व, स्वातंत्र्योत्तर युग

६) निबंध विधा का विकास - भारतेन्दुयुग, द्विवेदीयुग, शुक्लयुग, शुक्लोत्तर युग।

७) संस्मरण, रेखाचित्र, चात्रा वर्णन, रिपोर्ताज का विकासात्मक अध्ययन।

८) आलोचना का विकास - भारतेन्दुयुग, द्विवेदीयुग, द्विवेदीयुगोत्तर।

९) हिंदी पत्रकारिता का विकासात्मक अध्ययन और भारतेन्दु, महावीरप्रसाद द्विवेदी, माखनलाल चतुर्वेदी, गणेश शंकर विद्यार्थी और कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर के योगदान का अध्ययन।

पद्य :- १) भारतेन्दुयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

२) द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

३) राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा एवं मैथिलीशरण गुप्त, रामधारी सिंह दिनकर, माखनलाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण शर्मा, 'नवीन' और सुभद्राकुमारी चौहान का योगदान।

४) छायावाद की प्रेरक परिस्थितीयाँ, पमुख प्रवृत्तियाँ, छायावाद की बृहदत्रयी और लघुत्रयी।

५) प्रगतिवाद : प्रेरेक परिस्थितीयाँ, पमुख विशेषताएँ।

६) प्रयोगवाद : प्रेरक कारण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रयोगवाद और नई कविता।

७) साठोत्तरी हिंदी नवगीत की प्रमुख विशेषताएँ।

८) साठोत्तरी हिंदी गजल की प्रमुख विशेषताएँ।

प्रश्नपत्र ४: विशेष स्तर : लोकसाहित्य

*** उद्देश्य :-**

i) लोकसाहित्य के स्वरुप को समझते हुए उसके अध्ययन का महत्व स्पष्ट करना ।

ii) लोकसाहित्य के विविध विधाओं के अध्ययन द्वारा लोकजीवन में उसकी व्यापकता को समझना।

iii) लोकसाहित्य का सामाजिक, राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक महत्व बताकर उसके विशेष अध्ययन के लिए प्रेरणा देना।

*** पाठ्यक्रम :-**

१) लोक शब्द की व्याख्या, लोकसाहित्य की प्रमुख परिभाषाएँ, लोक साहित्य का वर्गीकरण, लोकसाहित्य और विशिष्ट साहित्य में साम्य और वैषम्य, लोकसाहित्य के अध्ययन का महत्व लोकवार्ता।

२) लोकसाहित्य का अन्य शास्त्रों से संबंध - इतिहास, पुरातत्व, मानव - विज्ञान, समाज विज्ञान, मनोविज्ञान, भाषा विज्ञान, धर्मशास्त्र।

३) लोकगीत - परिभाषा, निर्माण तत्व, विशेषताएँ, लोकगीतों का वर्गीकरण, लोकगीतों और साहित्यिक गीतों मे अंतर, लोकगीतों के प्रमुख प्रकार - सोहर, विवाह, गौना, कजली, होली, लोरी, लावणी (लोकगीतों का सामान्य परिचय)।

४) लोकगाथा - उत्पत्तिविषयक सिध्दांत, प्रमुख लक्षण, लोकगाथाओं का वर्गीकरण आल्हा, गोरा-बादल, भरथरी की लोकगाथा का सामान्य परिचय।

५) लोकगाथा - लोककथा के मुल स्त्रोत, लोककथा का स्वरुप एवं वर्गीकरण, लोककथा उत्पत्ति विषयक विविधवाद, लोककथा और साहित्यिक कहानी में अंतर, लोककथा में अभिप्राय, लोककथा की विशेषताएँ।

२) लोकनाट्य - भारत में लोकनाट्य की परंपरा, लोकनाट्य की विशेषताएँ, लोकनाट्य और साहित्यिक नाटक में अंतर, लोकरंगमंच, भारत के प्रमुख लोकनाट्य - रामलीला, रासलीला, भवई, यक्षगान, तमाशा, जत्रा, माँच, नौटंकी, कुचिपुडी, ललित, ख्याल (सामान्य परिचय)।

३) प्रकीर्ण साहित्य - मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ, मुकरियाँ, ढकोसला, मंत्र, टोना- टोटका।

४) लोकसाहित्य - भावाभिव्यक्ति और कलात्मक सौंदर्य।

५) लोकसाहित्य का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय महत्व।

संदर्भ ग्रंथ -

१) भारतीय लोकसाहित्य - डॉ. श्याम परमार

२) लोकसाहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय

३) लोकसाहित्य सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. श्रीराम शर्मा

४) लोकसाहित्य के प्रतिमान - डॉ. कुंदनलाल उप्रेति

५) खडी बोली का साहित्य - डॉ. सत्या गुप्त

६) लोकसाहित्य विज्ञान - डॉ. सत्येन्द्र

७) लोकवार्ता और लोकगीत - डॉ. सत्येन्द्र

८) लोकसाहित्य का अध्ययन - डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय

९) महाराष्ट्र का हिंदी लोककाव्य - डॉ. कृष्ण दिवाकर

१०)लोकगीतों का विकासात्मक अध्ययन - डॉ. कुलदीप

११)लोकगीतों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमी - डॉ. विद्या चौहान

१२)हमारे संस्कार गीत - राजरानी शर्मा

१३)लोककथा परिचय - नलिन विलोचन शर्मा

१४)लोककथा विज्ञान - श्रीचन्द्र जैन

१५) लोकधर्मी नाट्य परंपरा - डॉ. श्याम परमार

१६) लोकनाट्य - परंपरा और प्रवृत्तियाँ - डॉ. महेन्द्र भानावत

१७) भारत के लोकनाट्य - डॉ. शिवकुमार मधुर

१८) महाराष्ट्र का लोकधर्मी नाट्य - डॉ. दुर्गा दीक्षित